सोयाबीन की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म - मालविका

क्रमांक	कार्यविधियां	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	सोयाबीन की खेती वर्षा वाले जलवायु क्षेत्र में की जाती है। पौधे की बढ़वार के समय 25–30°C तापमान उपयुक्त होता है।
2	भूमि की तैयारी	ग्रीष्मकालीन में 2–3 बार गहरी जुताई कर खेत तैयार करें तथा भूमि को समतल करें।
3	बोआई का समय	15 जून से 15 जुलाई तक का समय उपयुक्त है।
4	बीज उपचार	थायरम दवा 2.5 से 3.0 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करें।
5	बीज दर	मालविका किस्म का बीज 22 किलो प्रति एकड़ उपयुक्त रहता है।
6	पौधों से पौधों की दूरी	5–7 सेंटीमीटर रखें।
7	कतार से कतार की दूरी	45 सेंटीमीटर रखें।
8	उर्वरक प्रबंधन	मिट्टी परीक्षण के आधार पर तथा सामान्यतः NPK 10:25:10 एवं गंधक 8 किलो प्रति एकड़ दें।
9	सिंचाई	यह वर्षा आधारित खरीफ फसल है, सामान्यतः अलग सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती।
10	खरपतवार नियंत्रण	कृषि विशेषज्ञ की सलाह अनुसार उचित खरपतवार नियंत्रण करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	मालविका किस्म रस्ट एवं अन्य रोगों के प्रति सहनशील है।
12	फसल की कटाई	95% फलियां भूरी होने पर कटाई करें।
13	विशेष सुझाव	3–4 इंच वर्षा होने के बाद ही बुवाई करें तथा जल निकास की व्यवस्था रखें।
14	अनुशंसित क्षेत्र	मालविका सोयाबीन किस्म खरीफ सीजन हेतु महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, गुजरात, आंध्र प्रदेश एवं राजस्थान के लिए अनुशंसित एवं उपयुक्त है।